Dainik Bhaskar

41 प्रतिशत भारतीयों की रिटायरमेंट प्लानिंग शून्य

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

केनरा एचएसबीसी ओबीसी द्वारा कर्रवाई गई एक स्टडी के अनुसार करीब 41 प्रतिशत यह महसूस करते हैं कि उन्होंने रिटायरमेंट के बाद के लिए कुछ खास तैयारी नहीं की है और करीब 64 प्रतिशत ने यह माना कि वे यह सोच कर चिंता में हैं कि रिटायरमेंट के बाद वे अपनी वित्तीय जरूरतों को कैसे पूरा करेंगे।

बीमा कंपनी ने स्टडी फ्यूचर ऑफ रिटायरमेंटः 'द पावर ऑफ प्लानिंग' को रिलीज करते यह वित्तीय रूझान जारी किए हैं। करीब 17 देशों में किए गए सर्वे में भारतीयों की बचत दर काफी अधिक होने के बावजूद रिटायरमेंट बाद की वित्तीय योजनाओं को बेहद कमजोर पाया गया। 51 प्रतिशत लोगों ने चिंता व्यक्त की कि बुढ़ापे में आर्थिक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए मुश्किल भरा रहेगा।

इस मौके पर जॉन होल्डन, सीईओ, ने बताया कि भारत में इस समय किस्मत से बचत की दर काफी अधिक है। जिसमें अभी कोई बड़ा बदलाव भी आता हुआ नहीं दिख रहा है पर आने वाले समय में भारतीय परिवारों को भी खर्च बढ़ेंगे तो उनकी बचत भी कम हो सकती है।

करीब 30 वर्ष बाद भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कामकाजी होगा और जब वे रिटायर होंगे तो वे बुढ़ापे और काम ना करने वाली बढ़ती आबादी की समस्या से रूबरू होंगे।